श्रम ज्योति

विभागीय राजभाषा पत्रिका

अंक: 8, 2021

सत्यमेव जयते
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Labour & Employment
Government of India
Website: www.labour.gov.in

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employees' State Insurance Corporation
उप क्षेत्रीय कार्यालय, प्लॉट सं. 47, सैक्टर 34, गुरुग्राम
SUB REGIONAL OFFICE, PLOT NO. 47, SEC-34, GURUGRAM
Ph. : 0124-4051924, E: dir-gurgaon@esic.nic.in, Web: www.esic.nic.in

श्रम ज्योति

विभागीय राजभाषा पत्रिका

अंक: 8, 2021

संरक्षक
श्री सुनील कुमार नेगी
उप निदेशक (प्रभारी)

संपादक
श्री पवन कुमार
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

संपादन सहयोग
श्री टीकमचंद
अवर श्रेणी लिपिक

प्रकाशक

उप क्षेत्रीय कार्यालय

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

प्लॉट सं. 47 सैक्टर–34, गुरुग्राम
फोन सं. 0124–4051924
ई–मेल dir-gurgaon@esic.nic.in

–केवल विभागीय प्रचालन हेतु–
पत्रिका के अंतर्गत प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार रचनाकारों के निजी विचार हैं। इनमें संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सत्यमेव जयते

क.रा.बी.नि.
E.S.I.C.

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)

हिन्दी पत्रिका प्रतियोगिता

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम

की हिन्दी गृह पत्रिका श्रम ज्योति ने वर्ष

2019-2020 में क / ख / ग क्षेत्र से प्रकाशित पत्रिकाओं में से संपादन,

साज-सज्जा एवं सामग्री-प्रबंधन के लिए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मुख्यालय, नई दिल्ली

दिनांकः

म शर्मा

बीमा आयुक्त

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	संदेश	2–5
2.	संरक्षक की कलम से	6
3.	संपादक की कलम से	7
4.	प्रथम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन	8–10
5.	लघु कथाएं	11
6.	ई.एस.आई.एक्ट	12
7.	शुक्रिया	13
8.	उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम–एक नजर में	14–16
9.	मूल हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पुरस्कृत कर्मचारी	17
10.	हिंदी प्रयोग प्रोत्साहन योजना, वर्ष–2021 के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी/कर्मचारी	18
11.	राजभाषा पखवाड़ा व हिंदी दिवस समारोह के आयोजन की रिपोर्ट	19–21
12.	कभी–कभी सोचती हूँ मैं	22
13.	क.रा.बी. निगम के अधिकारियों का अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन	23–25
14.	मजे में हूँ	26
15.	गुड़गांव से गुरूग्राम तक	27–29
16.	मेरे अल्फाज	29
17.	ई.एस.आई.सी.–चिंता से मुक्ति	30–31
18.	पिता	32
19.	चित्रकारी	33–34
20.	बेटियाँ	35
21.	उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में की गई गतिविधियाँ–फोटो गैलरी	36–40
22.	समाचार पत्रों से	41–42
23.	हिन्दी पत्रिका प्रतियोगिता – प्रमाण पत्र	43

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
Employees' State Insurance Corporation
(Ministry of Labour & Employment, **Govt. of India)**
क.रा.बी.नि.
E.S.I.C.

पंचदीप भवन, सी.आई.जी. मार्ग, नई दिल्ली–110002
Panchdeep Bhawan, C.I.G. Marg, New Delhi-110 002
Tel. : 011-23215487
Website : www.esic.nic.in / www.esic.in

संख्या : ए-49/17/1/2016-रा.भा.
दिनांक : 08.08.2022

मुखमीत सिंह भाटिया
महानिदेशक

संदेश

मुझे यह जानकर बहुत हर्ष हुआ कि उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम अपनी गृह पत्रिका **'श्रम ज्योति'** के आठवें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। निस्संदेह राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में यह सराहनीय प्रयास है। पत्रिका के प्रकाशन से राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को बल मिलेगा तथा सकारात्मक परिणाम आएंगे। **'श्रम ज्योति'** के इस अंक के लिए संपादक मंडल और गुरुग्राम क्षेत्र के कार्मिकों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(मुखमीत सिंह भाटिया)

श्री सुनील कुमार नेगी
प्रभारी उप निदेशक
उप क्षेत्रीय कार्यालय
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
गुरुग्राम, हरियाणा।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
Employees' State Insurance Corporation
(Ministry of Labour & Employment, **Govt. of India**)

क.रा.बी.नि.
E.S.I.C.

पंचदीप भवन, सी.आई.जी. मार्ग, नई दिल्ली–110002
Panchdeep Bhawan, C.I.G. Marg, New Delhi-110 002
Tel. : 011-23215487
Website : www.esic.nic.in / www.esic.in

टी.एल. यादेन
वित्त आयुक्त

संख्या : ए-49/17/2/2016-रा.भा.
दिनांक : 29.7.2022

<u>संदेश</u>

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम अपनी गृह पत्रिका **'श्रम ज्योति'** के आठवें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है, यह उत्साहजनक सूचना है। विभागीय पत्रिकाओं के माध्यम से क्षेत्र के रचनाकारों को अपने भावों एवं विचारों को अभिव्यक्ति करने का मंच मिलता है, जिससे भाषायी कौशल में भी वृद्धि होती है। राजभाषा का यह प्रयास निरंतर गतिमान रहे, हमारी यही कामना है।

शुभकामनाओं सहित।

टी.एल. यादेन

(टी. एल. यादेन)

श्री सुनील कुमार नेगी
प्रभारी उप निदेशक
उप क्षेत्रीय कार्यालय
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
गुरुग्राम, हरियाणा।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
Employees' State Insurance Corporation
(Ministry of Labour & Employment, **Govt. of India)**
क.रा.बी.नि.
E.S.I.C.

पंचदीप भवन, सी.आई.जी. मार्ग, नई दिल्ली–110002
Panchdeep Bhawan, C.I.G. Marg, New Delhi-110 002
Tel. : 011-23215487
Website : www.esic.nic.in / www.esic.in

संख्या : ए-49/17/1/2013-रा.भा.
दिनांक : 01.08.2022.

मनोज कुमार सिंह
मुख्य सतर्कता अधिकारी

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम अपनी गृह पत्रिका **'श्रम ज्योति'** के आठवें अंक का प्रकाशन करने जा रहा है। राजभाषा हिंदी ने सदैव पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का कार्य किया है। इस दिशा में पत्रिका अपनी भूमिका बखूबी निभा रही है। आशा है यह पत्रिका कार्यालय में राजभाषा के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी तथा कर्मचारियों की रचनाशीलता को गति मिलेगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं।

(मनोज कुमार सिंह)

श्री सुनील कुमार नेगी
प्रभारी उप निदेशक
उप क्षेत्रीय कार्यालय
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
गुरुग्राम, हरियाणा।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
Employees' State Insurance Corporation
(Ministry of Labour & Employment, **Govt. of India)**
क.रा.बी.नि.
E.S.I.C.

पंचदीप भवन, सी.आई.जी. मार्ग, नई दिल्ली–110002
Panchdeep Bhawan, C.I.G. Marg, New Delhi-110 002
Tel. : 011-23215487
Website : www.esic.nic.in / www.esic.in

संख्या : ए-49/17/3/2016-रा.भा.
दिनांक : 29.07.2022

दीपक जोशी
अपर आयुक्त (राजभाषा)

संदेश

यह उत्साहवर्धक सूचना है कि उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम अपनी गृह पत्रिका **'श्रम ज्योति'** का निरंतर प्रकाशन कर रहा है। मेरा विश्वास है कि यह पत्रिका कार्यालय में तैनात कार्मिकों को राजभाषा हिंदी में मूल लेखन और सृजनशीलता की ओर अग्रसर करेगी। गृह पत्रिका क्षेत्र में तैनात कार्मिकों के भावों, क्षेत्रीय संस्कृति और कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों से पाठकों को अवगत कराती है। आशा है **'श्रम ज्योति'** का यह अंक अपनी गरिमा के अनुकूल होगा तथा पाठकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा।

(दीपक जोशी)

श्री सुनील कुमार नेगी
प्रभारी उप निदेशक
उप क्षेत्रीय कार्यालय
कर्मचारी राज्य बीमा निगम
गुरुग्राम, हरियाणा।

संरक्षक की कलम से...

सुनील कुमार नेगी
उप निदेशक(प्रभारी)

मुझे यह बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि इस कार्यालय की गृह पत्रिका **'श्रम ज्योति'** का आठवां अंक प्रकाशित किया जा रहा है। सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए पत्र–पत्रिकाओं का विशेष महत्त्व होता है। निश्चित रूप से इन पत्रिकाओं में कार्यालय में की जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यकलापों की एक स्पष्ट झलक देखने को मिलती है। निगम की प्रत्येक पत्रिका में संकलित सामग्री न केवल ज्ञानवर्धक बल्कि सूचनापरक और रुचिकर भी होती है।

मानव जीवन में भाषा का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। भारत जैसे विशाल देश में अनेक भाषा–भाषियों के मध्य संपर्क स्थापित करने के लिए एक ऐसी भाषा की आवश्यकता महसूस की गई जो आपस में जोड़ने का कार्य करे। निःसंदेह हिंदी अपना यह दायित्व पूरा करने में सफल रही है। आज न केवल देश बल्कि विदेशों में भी हिंदी का खूब बोलबाला है। इसका प्रमाण यह है कि हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में यह प्रस्ताव पारित किया गया है कि संयुक्त राष्ट्र के सभी जरूरी कामकाज और सूचनाओं को इसकी आधिकारिक भाषाओं के अलावा दूसरी भाषाओं जैसे– हिंदी में भी जारी किया जाएगा। बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए ये कदम उठाया गया है। समय की आवश्यकता है कि इस भाषा की महत्ता, इसकी बहुलता और इसकी स्वीकार्यता को देखते हुए हम सभी अपने दैनिक कार्यों के साथ–साथ सरकारी कामकाज में इसका यथासंभव प्रयोग करें ।

सरकारी नियमों का समुचित अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए समय–समय पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक, कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना सकारात्मक कदम है। मैं आशा करता हूँ कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी राजभाषा शाखा का सहयोग लेते हुए अपने कार्यों में राजभाषा का अधिक से अधिक प्रयोग कर सभी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयास जारी रखेंगे। इस पत्रिका के माध्यम से मेरा निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह है कि वे अपने अनुभव एवं कार्यक्षेत्र के अनुसार पत्रिका के लिए भी अपना भरपूर योगदान दें ताकि इसमें अनेक विषयों को समाहित किया जा सके और यह पत्रिका अपना गौरवशाली स्थान बनाए रखने में सक्षम हो सके।

संपादकीय...

पवन कुमार
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम की हिंदी विभागीय पत्रिका **'श्रम ज्योति'** के आठवें अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। उप निदेशक (प्रभारी) महोदय के कुशल नेतृत्व में यह कार्यालय राजभाषा हिंदी के विकास के लिए निरंतर अग्रसर है।

पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों को अपनी लेखन कला व अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करना होता है, साथ ही इससे पाठकों को कार्यालय में हो रही विभिन्न गतिविधियों के विषय में जानकारी भी प्राप्त होती है। निगम में राजभाषा संबंधी विभिन्न कार्यों को समय–समय पर नया अंजाम देने के लिए राजभाषा शाखा सदैव तत्पर है।

इस कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अपनी–अपनी रचनाओं से इस पत्रिका को सुसज्जित किया है। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूँ। आशा है यह पत्रिका आपकी अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।

प्रथम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

प्रथम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 13 व 14 नवम्बर 2021 को दीनदयाल हस्तकला संकुल, व्यापार सुविधा केंद्र एवं शिल्प संग्रहालय, वाराणसी में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया। सम्मेलन का शुभारंभ गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी द्वारा किया गया। उनके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ, गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय, श्री निशिथ प्रामाणिक, श्री अजय कुमार मिश्रा और सांसदगण, सचिव राजभाषा, संयुक्त सचिव राजभाषा सहित पूरे देश के अलग–अलग राज्यों से आए विद्वानगण भी वहां उपस्थित थे।

मुझे भी इस सम्मेलन में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस आशय का पत्र नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गुरुग्राम की ओर से प्राप्त हुआ था, जिसमें सूचित किया गया था कि 13 व 14 नवम्बर को वाराणसी में प्रथम अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। कार्यालय अध्यक्ष द्वारा सम्मेलन में शामिल होने के लिए मुझे नामित किया गया।

मैं नियत तिथि 13/11/2021 को प्रातः 09:00 बजे **'दीन दयाल हस्तकला संकुल'** व्यापार सुविधा केंद्र पहुँच गया। **'दीन दयाल हस्तकला संकुल'** को प्रधानमंत्री द्वारा 22 सितंबर, 2017 को राष्ट्र को समर्पित किया गया था। वाराणसी के हथकरघों, हस्तशिल्प और रेशम उत्पादों को विकसित करने तथा बढ़ावा देने और वाराणसी के बुनकरों, कारीगरों और उद्यमियों को आवश्यक सहायता मुहैया कराने के लिए व्यापार सुविधा केंद्र तथा शिल्प संग्रहालय की स्थापना की गई थी।

वहां पर विभिन्न कार्यालयों द्वारा अपने–अपने प्रकाशन से संबंधित पुस्तकों एवं प्रचार सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई थीं। इसके अतिरिक्त वहां के स्थानीय बुनकरों और शिल्पकारों द्वारा भी कई प्रकार की स्टालें लगाई गई थीं, जिनमें जूट के थैले, साड़ियाँ, विभिन्न प्रकार के परिधान, चादरें आदि प्रदर्शित की गई थीं, जो कि बहुत ही मनमोहक लग रहे थे।

आखिरकार **'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन'** का शुभारंभ सुबह 10:15 बजे श्री अमित शाह, योगी आदित्यनाथ व वहां पर पधारे अन्य सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। इसके पश्चात् मंच पर उपस्थित मान्यवरों ने एक–एक करके अपने–अपने विचार सभागार में उपस्थित देश के अलग–अलग राज्यों से आए लगभग 2700 प्रतिनिधियों के समक्ष रखे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वभाषा की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी को लेकर पहले कई प्रकार विवाद होते रहते थे। वहीं, सरकारी कामकाज की भाषा अंग्रेजी रही है। अब इसमें बदलाव हो रहे हैं। अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने गृह मंत्रालय में राजभाषा को स्वीकार किए जाने की बात कही। साथ ही, स्वभाषा को प्रशासनिक भाषा के रूप में स्वीकार किए बिना लोकतंत्र के सफल न होने की भी बात कही। साथ ही, हिंदी बोलने वालों में हीन भावना जैसी बात भी कही। श्री अमित शाह ने कहा कि आज सिर्फ हिंदी बोलने वाला बच्चा खुद को कमतर समझता है। जल्द ऐसा वक्त आएगा जब हिंदी नहीं बोल पाने वाला खुद को कमतर मानेगा। इस प्रकार उन्होंने आने वाली पीढ़ी में स्वभाषा के प्रति माहौल बनाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि मैं गौरव के साथ कहना चाहता हूँ कि आज गृह मंत्रालय में एक भी फाइल ऐसी नहीं है, जो अंग्रेजी में लिखी जाती या पढ़ी जाती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमने पूरी तरह से राजभाषा को स्वीकार किया है। बहुत सारे विभाग भी इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। सम्मेलन को दिल्ली से बाहर आयोजित करने पर उन्होंने कहा कि हमने वर्ष 2019 में यह निर्णय लिया था। हालांकि, पिछले दो वर्षों में कोरोना

संक्रमण के कारण यह संभव नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि यह नई शुरुआत आजादी के अमृत महोत्सव में होने जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने देश में लागू की गई–नई शिक्षा नीति की भी सम्मेलन में चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश में लागू हुई नई शिक्षा नीति का एक प्रमुख बिंदु भाषाओं का संरक्षण व संवर्द्धन है। राजभाषा के भी संरक्षण व संवर्द्धन पर जोर दिया गया है। नई शिक्षा नीति में राजभाषा व मातृभाषा पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने जो नया परिवर्तन किया है, वह भारत के भविष्य को परिवर्तित करने वाला साबित होगा।

केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री आमित शाह ने कहा कि यह संकल्प होना चाहिए कि हिंदी का वैश्विक स्वरूप हो। स्थानीय भाषा और हिंदी पूरक हैं। राजभाषा विभाग की जिम्मेदारी है कि वह स्थानीय भाषा का भी विकास करे। उन्होंने कहा कि काशी हमेशा विद्या की राजधानी रही है। काशी सांस्कृतिक नगरी है। देश के इतिहास को काशी से अलग कर नहीं देख सकते। काशी भाषाओं का गोमुख है। हिंदी का जन्म काशी से हुआ है। हिंदी के उन्नयन के लिए काशी से शुरुआत हुई। पहली पत्रिका काशी से ही शुरू हुई। तुलसी दास को कैसे भूला जा सकता है। राम चरित मानस नहीं लिखा होता तो आज रामायण लोग भूल जाते। अनेक हिंदी के विद्वानों ने यहीं से भाषा को आगे बढ़ाया। जो देश अपनी भाषा को खो देता है तो वह संस्कृति को भी खो देता है। हिंदी अक्षर शब्द का प्रयोग है अर्थात जिसका कभी क्षरण नहीं हो सकता। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपनी भाषा में बोलें। भाषा की जितनी समृद्धि होगी संस्कृति उतनी ही मजबूत होगी। युवाओं से अपील कर रहा हूं कि वे हिंदी में बोलने में गर्व महसूस करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के बाद पहला सम्मेलन यहाँ हो रहा है। ईश्वर से अभिव्यक्ति का माध्यम भाषा हमारी मातृभाषा होती है। हिंदी का पहला सम्मेलन होने में 75 वर्ष हो गए। तुलसी दास ने रामचरित मानस को रचा जो शिव की प्रेरणा से अवधी भाषा में लिखा गया। आज हर घर में रामचरितमानस रखा मिलेगा। उन्होंने एक किस्सा सबको बताया कि एक बार जब वे मारीशस के एक गांव में गए तो देखा कि उनके घरों में रामचरित मानस मौजूद है। वे आज भी उसकी पूजा करते हैं। वे पढ़ नहीं सकते लेकिन श्रवण कर उन्हें आज भी याद है। हिंदी का बड़ा काल खंड काशी से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई भी महात्मा गांधी ने हिंदी में ही लड़ी ।

दीनदयाल हस्तकला संकुल के दो सभागारों में समानांतर सत्र आयोजित किए गए। पहला सत्र स्वतंत्रता संग्राम और स्वतंत्र भारत में संपर्क भाषा एवं जनभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका तथा दूसरा सत्र राजभाषा के रूप में हिंदी की विकास यात्रा और योगदान विषय पर आयोजित किया गया। इन दोनों सत्रों के समानांतर सत्र दूसरे सभागार में आयोजित किए गए। एक का विषय मीडिया में हिंदी प्रभाव एवं योगदान तथा दूसरे का विषय था वैश्विक संदर्भ में हिंदी की चुनौतियां और संभावनाएं। तीसरे सत्र में भाषा चिंतन की भारतीय परंपरा और संस्कृति के निर्माण में हिंदी की भूमिका विषय पर वक्ताओं ने अपनी बात रखी और इसी के समानांतर सत्र में न्यायपालिका में हिंदी–प्रयोग और संभावनाएं विषय पर चर्चा की गई। दूसरे दिन 14 नवंबर को सुबह लमही गांव में मुंशी प्रेमचंद की प्रतिमा पर श्रद्धा–सुमन अर्पित करने के बाद सुबह साढ़े दस बजे से संकुल में दो सत्र रंगमंच सिनेमा और हिंदी तथा काशी का हिंदी साहित्य में योगदान विषय पर आयोजित किए गए।

इसके पश्चात वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह दुनिया में सबसे सुंदर धार्मिक समारोहों में से एक है। यह समारोह एक शंख बजाने के साथ शुरू होता है। माना जाता है कि यह सभी नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करता है। वाराणसी गंगा आरती काशी विश्वनाथ मंदिर के पास, पवित्र दशाश्वमेध घाट पर हर सूर्यास्त के समय सम्पन्न होती है। वहां के स्थानीय लोगों ने बताया कि वाराणसी में कुल 84 घाट हैं। अधिकांश घाट स्नान और पूजा समारोह घाट हैं, जबकि दो घाटों को विशेष रूप से श्मशान स्थलों के रूप में उपयोग किया जाता है।

आरती आरम्भ होने से पहले मैंने एक नाव में बैठकर विभिन्न प्रसिद्ध घाटों के दर्शन किए। नाव चला रहा व्यक्ति एक–एक करके सभी घाटों के विषय में जानकारी दे रहा था। उन्होंने बताया कि मणिकर्णिका घाट पर चिता की अग्नि कभी शांत नहीं होती, क्योंकि बनारस के बाहर मरने वालों की अन्त्येष्टी पुण्य प्राप्ति के लिए यहीं की जाती है। कई हिन्दू मानते हैं कि वाराणसी में मरने वालों को मोक्ष प्राप्त होता है। वाराणसी में लगभग 84 घाट हैं। इन 84 घाटों में पाँच घाट बहुत ही पवित्र माने जाते हैं। इन्हें सामूहिक रूप से **'पंचतीर्थ'** कहा जाता है। ये हैं अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, आदिकेशव घाट, पंचगंगा घाट तथा मणिकर्णिका घाट।

अगले दिन काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस समय मंदिर का जीर्णोधार किया जा रहा है, इसलिए मंदिर में प्रवेश हेतु थोड़ी जद्दोजहद करनी पड़ी। मंदिर में जाने के लिए लंबी पंक्ति में काफी देर तक खड़ा होना पड़ता है।

जैसे तैसे बाबा विश्वनाथ के दर्शन हो गए। वाराणसी शहर को काशी भी कहा जाता है। इसलिए मंदिर को काशी विश्वनाथ मंदिर कहा जाता है। मंदिर के बाहर कई मिठाईयों की दुकानें बनी हुई हैं, जहाँ से मैंने कुछ मिठाइयाँ खरीदीं और अपने होटल वापस आ गया।

वास्तव में वाराणसी भ्रमण अविस्मरणीय रहा। वाराणसी घूमकर यह अहसास हुआ कि वाराणसी को देव नगरी क्यों कहा जाता है। जहाँ देश के बहुत से नगर आधुनिकता की दौड़ में लगे हुए हैं, वहीं वाराणसी अपने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्यों को आज भी खुद में समेटे हुए है। इस छोटे से लेख में वाराणसी के सभी अनुभवों का वर्णन करना संभव नहीं है, फिर भी जहाँ तक हो सका है मैंने इस लेख में अपने भ्रमण के मुख्य पहलुओं को शब्द देने का प्रयास किया है।

पवन कुमार
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

लघु कथा

'श्रम ज्योति' की कहानियाँ/कविताएँ आसमान से गिरने वाली वो ओस की बूंदें हैं जिसको देखकर साहित्यकार/काव्यकार अपनी लेखनी ठीक करने लगते हैं ।

पैंतरा एक

भीषण गर्मी से त्रस्त महिला बड़बडायी जहाँ सूरज को गर्मी देनी होती है वहाँ नहीं देता है, जहाँ नहीं चाहिए वहाँ बहुत अधिक।

थोड़ी देर में उमस समाप्त/तेजी से पानी बरसने लगा/ठंडक अचानक बढ़ गई। अब महिला बुदबुदायी, उलाहना का मतलब यह नहीं होता है कि तुरन्त कार्यवाही आरम्भ हो जाए। अब वह कंबल बक्से से निकालने लगी और पुत्री से बुखार की दवा माँगने लगी।

पैंतरा दो

इतनी ठंडक और इतनी हवा। प्रकृति को थोड़ा सोचना चाहिए इन हवाओं से सिर पर पल्लू रखने में भी मुश्किल हो रही है। अचानक ठंडक समाप्त, हवायें भी बहना बंद कर दी। गर्मी चरम सीमा पर। अब महिला बुदबुदायी और आंचल खुद ही नीचे गिरा दी।

पैंतरा तीन

जब से परदेस गए हैं, तीन महीने से एक भी पत्र नहीं आया। कैसी मैं हूँ, उन्हें क्या मालूम बिरह क्या होता है। कारखाना बन्द हो गया था और पतिदेव घर वापस आ गए थे।

एक–एक घंटे पर चाय और दिन भर फरमाइश, यह नहीं जानते कि औरत की भी एक जिन्दगी होती है। अच्छा होता कि हम कुँवारी ही रहती। विवाह से कोई सुख नहीं मिला आज तक, महिला बुदबुदायी ।

उमा शंकर मिश्र
पूर्व सहायक एसिक, वाराणसी

ई.एस.आई. एक्ट

कैसा है ये एक्ट ई.एस.आई.।
आ जान लें इसको मेरे भाई।।

बनाये हैं जो इसके कुल पाठ।
संख्या है बस इनकी आठ।।
समझ लें इनको हो जायेंगे ठाठ।।।
पग–पग पर बात खास समझाई
आ जान लें इसको मेरे भाई।।

पाठ पहले में है पहचान और परिभाषा (धारा 1 से 2)
फैक्टरियों को जोड़ने की अभिलाषा
पाठ दुसरे में हैं कारपोरेशन, कमेंटी व समिति की आशा (धारा 3 से 25)
लगा ध्यान, समझ शब्दों की गहराई,
आ जान लें इसको मेरे भाई।।

पाठ तीसरा सिखाये लेखा जोखा (धारा 26 से 37)
नियम समझ लें कभी न खाए धोखा
पाठ चौथा आये कितने पेटी खोखा (धारा 37 से 45)
जोड़ घटा हो आन्ना पाई–पाई
आ जान लें इसको मेरे भाई।।

किसको कितना क्यों कब देना है
हिसाब ये पाठ पांचवें से लेना है (धारा 46 से 73)
विवाद जो हो कोई छठे को देना है (धारा 74 से 83)
दे तौल–मौल बंद आँख बिना बुराई
आ जान ले इसको मेरे भाई।।

क्या गुनाह और कौन गुनाहगार,
कौन गवाह और कौन दरबार।
पहले साधारण फिर दुगना हर बार
पाठ सातवां बढ़ा दे करड़ाई ।
आ जान लें इसको मेरे भाई।। (धारा 84 से 86A)

केंद्र, राज्य सरकार और निगम के अधिकार
इन सबकी है तो ताकत यहाँ आपार।
एक्ट से छूट के लिए हो समुचित आधार
इन सबकी महिमा कहाँ है गाई
आ जान लें इसको मेरे भाई।। (धारा 87 से 91AA)

हम हैं जन सेवक , हितलाभों पर न हो आघात
धन के बट्टे–खाते डालना, जब वसूली न हो बस की बात,
इलाज को, बीमितों के परिवार की भी है एक जमात
बात ज्ञान की ये सब पाठ आठवें में हैं बताई
आ जान ले इसको मेरे भाई।। (धारा 98 से 100)

महावीर बावलिया
कार्यालय अधीक्षक (सेवा निवृत्त)

शुक्रिया

शुक्रिया उन लोगों को जो मुझसे नफरत करते हैं
क्योंकि उन्होंने मुझे मजबूत बनाया
शुक्रिया उन लोगों को जो मुझसे प्यार करते हैं
क्योंकि उन्होंने मेरा दिल बड़ा कर दिया
शुक्रिया उन लोगों को जो मेरे लिए परेशान हुए
और मुझे बताया कि वो मेरा बहुत ख्याल रखते हैं
शुक्रिया उन लोगों को जो मेरी जिन्दगी में शामिल हुए
और मुझे ऐसा बना दिया जैसा सोचा भी न था

सुषमा दीवान
निजी सचिव

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम (हरियाणा)

उप क्षेत्रीय कार्यालय का नाम व पता	12 सितंबर 2008 को खोला गया
कर्मचारी राज्य बीमा निगम उप क्षेत्रीय कार्यालय प्लाट नं0 47, सैक्टर – 34, गुरुग्राम **दूरभाष सं0 0124–4085695, ई-मेल :dir-gurgaon@esic.nic.in**	वी0ओ0आई0पी0. 20124002

अन्य जानकारी

1	व्याप्त क्षेत्र का विवरण	1. गुरुग्राम 2. रिवाड़ी 3. नूंह 4. महेन्द्रगढ़ ध्यान दें : हरियाणा राज्य के सारे जिले प्रभावी रुप से दिनांक 01.07.2017 से क.रा.बी. अधिनियम के तहत अधिसूचना सख्या एस/38013/10/2017 एसएस.आई दिनांक 07/06/2017 भारत सरकार , श्रम एवं रोजगार मत्रांलय नई दिल्ली के अनुसार व्याप्ति करने योग्य हैं।			
		2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
2.	बीमित व्यक्तियों की सख्या	1864320	1659360	1269080	1318570
3.	कर्मचारियों की सख्या	1671470	1445840	1089230	814790
4.	नियोक्ताओं की सख्या	19936	22682	——	30254
5.	उप क्षेत्रीय कार्यालय की राजस्व आय (करोड़ में)	803.41	888.72	656.32	467.41
6.	राजस्व वसूली की राशि (लाख में)	712	892	944	1077

नकद लाभ का वितरण

2017-18		2018-19		2019-20		2020-21		2021-22 (02/22)	
मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)	मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)	मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)	मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में	मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)
29655	8.89	32913	14.24	37835	14.95	38389	13.72	33162	17.72

		2017-18		2018-19		2019-20		2020-21	
		मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)	मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)	मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)	मामलों की कुल सख्या	राशि (करोड़ में)
1	अस्वस्थता हितलाभ	3053	2.17	3933	3.1	3319	2.66	1949	1.74
2	अस्थाई अपगंता हितलाभ	234	0.37	376	0.69	257	0.45	89	0.16
3	स्थाई अपगंता हितलाभ	18047	2.98	23384	4.27	24658	4.53	21401	4.90
4	मृत्यु हितलाभ	7559	2.25	9495	3.75	9635	3.21	8930	3.73
5	मातृत्व हितलाभ	187	0.75	431	3.03	370	2.68	441	3.48
6	अत्येष्टि व्यय	148	0.15	216	0.21	150	0.19	163	0.24

कोविड राहत योजना की प्रगति (04/03/2022 तक)

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम	प्राप्त दावे	स्वीकृत दावे	खारिज दावे	लंबित दावे	लंबित दावों का प्रतिशत
	56	46	02	08	14.28

अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना की प्रगति (10/03/2022 तक)

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम	प्राप्त दावे	स्वीकृत दावे	खारिज दावे	लंबित दावे/	लंबित दावों का प्रतिशत
	5673	2876	1594	1203	21.20

वसूली

2017-18		2018-19		2019-20		2020-21		2021-22 (02/22 तक)	
लक्ष्य (करोड़ में)	प्राप्ति (करोड़ में)	लक्ष्य (करोड़ में)	प्राप्ति (करोड़ में)	लक्ष्य (करोड़ में)	प्राप्ति (करोड़ में)	लक्ष्य (करोड़ में)	प्राप्ति (करोड़ में)	लक्ष्य (करोड़ में)	प्राप्ति (करोड़ में)
7.03	7.12	8.91	8.92	8.92	9.43	11.55	10.77	10.79	9.38

निरीक्षण नियत्रंण शाखा

	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22 (07-03-2022 तक
आयोजित नियमित निरीक्षण की सख्या	106	155	86	30	74
किए गए सर्वेक्षण की सख्या/	01	00	100	00	14

उप क्षेत्रीय कार्यालय,गुरुग्राम के अंतर्गत शाखा कार्यालयों की सूची

कम स0	शाखा कार्यालय का नाम	पता	वी0ओ0आई0पी0 न0/ ;ई0मेल)
1.	सिविल लाईन	शाखा कार्यालय, 421/7/15, क0रा0बी0निगम,सिविल लाईन,राजीव चौक, गुरुग्राम	50124001-3 bo-gurgaon.hr@esic.nic.in
2.	डुंडाहेड़ा	मकान नं0 491 , पीपल वाली गली , हनुमान मंदिर , डुंडाहेड़ा , गुरुग्राम	50124004-6 bo-dundahera.hr@esic.nic.in
3.	मानेसर	प्रथम तल ,प्लाट नं0 41 , सैक्टर – 3, आई0एम0टी0 मानेसर – 122050	50124007-9 bo-manesar.hr@esic.nic.in
4.	धारुहेड़ा	भारत संचार निगम लिमिटेड भवन, प्रथम तल, इंडस्ट्रियल एरिया, धारुहेड़ा	5127400-3 bo-dharuhera.hr@esic.nic.in

अस्पतालों की सूची

कम स0	अस्पताल का नाम	प्ता	दूरभाष सं.	वी0ओ0आई0पी0 सं./(ई0मेल)
1.	क0रा0बी0निगम हस्पताल, गुरुग्राम	सैक्टर – 9, पैट्रोल पम्प के पास, गुरुग्राम	01242252001	40124001 ms-gurgaon.hr@esic.nic.in
2.	क0रा0बी0निगम हस्पताल, मानेसर	प्लाट नं0 41 , सैक्टर – 3, आई0एम0टी0 मानेसर – 122050	01244618701	40124032 ms-manesar.hr@esic.nic.in

उप क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत औषधालयों की सूची

	स्थान	स्थान का पता	संपर्क सख्या
1	गुरुग्राम	क0रा0बी0औषधालय,नं0 1, नियर शमा रेस्टोरेंट, गुरुग्राम – 122001	0124-2320513
2	गुरुग्राम	क0रा0बी0औषधालय,नं0 3, नियर शमा रेस्टोरेंट, गुरुग्राम – 122001	9540995666
3	गुरुग्राम	क0रा0बी0औषधालय, नियर शमा रेस्टोरेंट, गुरुग्राम – 122001	9540995666
4	गुरुग्राम	क0रा0बी0औषधालय,नं0 2,प्लाट नं0 380–381,उधोग विहार ,फेस–2 ,गुरुग्राम –122016	9971960101
5	पालम विहार	क0रा0बी0औषधालय,नं0 2,प्लाट नं0 380–381,उधोग विहार ,फेस–2 ,गुरुग्राम –122016	9971960101
6	नाथूपुर	क0रा0बी0औषधालय,नं0 2,प्लाट नं0 380–381,उधोग विहार ,फेस–2 ,गुरुग्राम –122016	9971960101
7	इस्लामपुर	मकान नं0 80 ए, सुभाष चौक के पास, दुरानिया मौहल्ला, इस्लामपुर – 122001	9899265702
8	कन्हई	मकान नं0 80ए, सुभाष चौक के पास, दुरानिया मौहल्ला, इस्लामपुर – 122001	9899265702
9	खेड़की दौला	क0रा0बी0औषधालय, टोल प्लाजा के पास, खेड़की दौला – 122104	8283875566
10	सैक्टर 37	क0रा0बी0औषधालय, टोल प्लाजा के पास, खेड़की दौला–122104	8283875566
11	मानेसर	क0रा0बी0औषधालय, अमर वाटिका के पास, कासन रोड़, मानेसर – 122050	9416064282
12	मानेसर	क0रा0बी0औषधालय, अमर वाटिका के पास, कासन रोड़, मानेसर – 122050	9416064282
13	धारुहेड़ा	क0रा0बी0औषधालय, नियर सब तहसील, हवेली, धारुहेड़ा – 123106	8199917609
14	धारुहेड़ा	क0रा0बी0औषधालय, नियर सब तहसील, हवेली, धारुहेड़ा – 123106	8199917609
15	बावल	निचाना रोड़ बावल, जिला – रिवाडी , 123501	7015546763
16	सोहना	क0रा0बी0औषधालय, निरंकारी कालेज के पास, नूंह रोड़, सोहना – 122103	9971233165
17	नारनौल	मोतीनगर, मकान नं0 269, सिघांना रोड़, नारनौल – 123001	9416174920
18	दौलताबाद	स्पन पुंज, नियर शनि मन्दिर दौलताबाद, गुरुग्राम – 122006	9818335000
19	बिनौला	रिशी प्रकाश मेहरा, स्टारएक्स स्कूल के पास, गांव बिनौला, गुरुग्राम – 122413	9711519395
20	रिवाड़ी	राजकीय कन्या व0मा0विद्यालय के सामने, नाई वाली चौक, रिवाड़ी	8053530073
21	रिवाड़ी	राजकीय कन्या व0मा0विद्यालय के सामने, नाई वाली चौक, रिवाड़ी	8053530073
22	नूंह	वार्ड नं0 3, मास्टर हाजी रफीक, क0रा0बी0औषधाय, नूंह	7011500855

मूल हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रोत्साहन योजना, वर्ष 2021–2022 के अंतर्गत पुरस्कृत कर्मचारी

क्र०सं०	कर्मचारी का नाम	कर्मचारी संख्या	पदनाम	प्राप्त स्थान	पुरस्कार राशि (रुपए में)
1	नरेश कुमार	116162	प्र.श्रे.लि.	प्रथम	5000/–
2	दिनकर	139603	अ.श्रे.लि.	प्रथम	5000/–
3	ज्योति नेगी	159217	सहायक	द्वितीय	3000/–
4	रविन्द्र कुमार	172018	प्र.श्रे.लि.	द्वितीय	3000/–
5	नरेश कुमार	171852	प्र.श्रे.लि.	द्वितीय	3000/–
6	नवीन कुमार	172343	सहायक (तदर्थ)	तृतीय	2000/–
7	सतीश कुमार	172299	प्र.श्रे.लि.	तृतीय	2000/–
8	दिशा सैनी	139585	सहायक	तृतीय	2000/–
9	विशाल	122778	प्र.श्रे.लि.	तृतीय	2000/–

कर्मचारी राज्य बीमा निगम-हिंदी प्रयोग प्रोत्साहन योजना, वर्ष-2021 के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारी/कर्मचारी

क्र० स०	नाम(सर्व श्री / श्रीमती / कु.)	पदनाम	कर्मचारी संख्या
1	महावीर बावलिया	कार्यालय अधीक्षक	116024
2	गीता तनेजा	कार्यालय अधीक्षक	113105
3	नितिन	आशुलिपिक	163589
4	राहुल	सहायक	171850
5	श्रीभगवान	सहायक	117026
6	राहुल खण्डेवाल	सहायक	119685
7	भीम सैन	सहायक	125205
8	लवकुश गुप्ता	सहायक	139459
9	अजीत सिंह	सहायक	116988
10	सुनील	सहायक	171855
11	उमेश कुमार	सहायक	138715
12	दिशा सैनी	सहायक	139585
13	राजबीर सिंह	सहायक	116097
14	ज्योति नेगी	सहायक	159216
15	जदुनाथ प्रधान	सहायक	122776
16	सतीश कुमार	सहायक	119690
17	संदीप कुमार	सहायक	124045
18	अमित दीनदयाल	सहायक	171829
19	महेंद्र सिंह	सहायक	119687
20	अंकित कुमार	बहुकार्य स्टाफ	174147
21	नवीन कुमार	तदर्थ सहायक	172343
22	असीम मुखर्जी	प्रवर श्रेणी लिपिक	171841
23	सुमित	प्रवर श्रेणी लिपिक	171957
24	नरेश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	171852
25	विशाल	प्रवर श्रेणी लिपिक	122778
26	सतीश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172299
27	रविन्द्र कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172018
28	दीपक कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	172025
29	राजकुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	147627
30	जितेन्द्र कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	117000
31	जवाहर सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	116123
32	आशिस राज सिंह	प्रवर श्रेणी लिपिक	168465
33	रिंकू सैनी	प्रवर श्रेणी लिपिक	171835
34	पिंकू कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	116993
35	पूनम यादव	अवर श्रेणी लिपिक	138390
36	जय भगवान	अवर श्रेणी लिपिक	139439
37	उमेश	अवर श्रेणी लिपिक	139430
38	पुष्पा	अवर श्रेणी लिपिक	139267
39	जगपाल	अवर श्रेणी लिपिक	139453
40	कुलदीप	बहुकार्य स्टाफ	174148
41	कुलदीप सिंह	बहुकार्य स्टाफ	174149

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम में राजभाषा पखवाड़ा व हिंदी दिवस समारोह के आयोजन की रिपोर्ट

उप क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, गुरुग्राम में दिनांक 1 से 15 सितंबर, 2021 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया तथा दिनांक 14 सितम्बर 2021 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यालय अध्यक्ष श्री सुनील कुमार नेगी, उप निदेशक (प्रभारी) उपस्थित थे। इस अवसर पर हास्य कवि श्री सुन्दर कटारिया को विशेश अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इनके अतिरिक्त कार्यालय के सभी अधिकारी व कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। समारोह का शुभारंभ पंचदीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

इसके उपरांत कार्यालय के कुछ कर्मचारियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात् पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि तथा श्री सुन्दर कटारिया जी का स्वागत किया गया।

कार्यालय अध्यक्ष श्री सुनील कुमार नेगी, उप निदेशक (प्रभारी) ने समारोह में उपस्थित सभी को भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी की गई राजभाषा प्रतिज्ञा दिलवाई तथा माननीय गृहमंत्री, भारत सरकार द्वारा जारी संदेश सभी को पढ़कर सुनाया। श्री पवन कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी (राजभाषा प्रभारी) ने महानिदेशक की अपील सभी को पढ़कर सुनाई। तत्पश्चात मुख्य अतिथि व श्री सुंदर कटारिया जी द्वारा कार्यालय की गृह पत्रिका **'श्रम ज्योति'** के सातवें अंक के ई–संस्करण का अनावरण किया गया। श्री पवन कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने पत्रिका हेतु लेख आदि देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों का धन्यवाद किया तथा पत्रिका के

आगामी अंक के लिए रचनाएं, लेख आदि भेजने का अनुरोध किया। इसके पश्चात् कार्यक्रम में आमंत्रित हास्य कवि श्री सुंदर कटारिया जी को मंच पर आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने काव्य पाठ से वहां पर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा हंसी से लोट–पोट होने पर बाध्य कर दिया। इसके पश्चात मंच संचालक ने राजभाषा पखवाड़े के दौरान की गई गतिविधियों के विषय में सबको अवगत कराया। उन्होंने बताया कि उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरूग्राम में 1 सितम्बर से 15 सितम्बर 2021 तक राजभाषा पखवाड़े के दौरान कार्यालय के मुख्य द्वार पर ''राजभाषा पखवाड़ा'' का बैनर लगाया गया।

अधीनस्थ सभी शाखाओं तथा शाखा कार्यालयों को छोटी–छोटी नेमी टिप्पणियों की सूची ऑनलाइन भिजवाई गई। कार्यालय प्रमुख की अध्यक्षता में कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उनके द्वारा सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से हिंदी में कार्य करने की अपील की गई तथा हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग संबंधी निर्देशों के कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाइयों पर विचार–विमर्श किया गया। मुख्यालय व राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रमुख हस्तियों द्वारा कही गई हिंदी भाषा की कुछ प्रमुख सुक्तियों को स्टैंडीज के माध्यम से कार्यालय में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित किया गया। पखवाड़े के दौरान कार्यालय में एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया था। इसके अतिरिक्त कार्यालय में पखवाड़े के दौरान मुख्यालय द्वारा निर्धारित चार हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स्मृति चिह्न व प्रमाण देकर सम्मानित किया गया। राजभाषा पखवाडे के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में विजेता कर्मचारियों का विवरण निम्नानुसार है–

राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता का परिणाम

क्र.सं.	नाम श्री / श्रीमती / कुमारी	पदनाम	प्राप्त स्थान
1	राहुल	सहायक	प्रथम
2	सुनील	सहायक	द्वितीय
3	गीता तनेजा	अधीक्षक	तृतीय
4	नरेश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रोत्साहन–1
5	नितिन	आशुलिपिक	प्रोत्साहन–2

1	जदुनाथ प्रधान	सहायक	प्रथम (हिंदीतर भाषा वर्ग में)

हिंदी टिप्पण व प्रतियोगिता का परिणाम

क्र.सं.	नाम श्री / श्रीमती / कुमारी	पदनाम	प्राप्त स्थान
1	नरेश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रथम
2	राहुल	सहायक	द्वितीय
3	सुनील	सहायक	तृतीय
4	रिंकू सैनी	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रोत्साहन–1
5	नितिन	आशुलिपिक	प्रोत्साहन–2

1	असीम मुखर्जी	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रथम (हिंदीतर भाषा वर्ग में)

हिंदी निबंध प्रतियोगिता का परिणाम

क्र.सं.	नाम श्री / श्रीमती / कुमारी	पदनाम	प्राप्त स्थान
1	नितिन	आशुलिपिक	प्रथम
2	अमित	प्रवर श्रेणी लिपिक	द्वितीय
3	राहुल	सहायक	तृतीय
4	नवीन कुमार	सहायक	प्रोत्साहन–1
5	नरेश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रोत्साहन–2

1	जदुनाथ प्रधान	सहायक	प्रथम (हिंदीतर भाषा वर्ग में)

हिंदी वाक् प्रतियोगिता का परिणाम

क्र.सं.	नाम श्री / श्रीमती / कुमारी	पदनाम	प्राप्त स्थान
1	अमित	प्रवर श्रेणी लिपिक	प्रथम
2	राहुल	सहायक	द्वितीय
3	गीता तनेजा	कार्यालय अधीक्षक	तृतीय
4	अंकित	बहुकार्य स्टाफ	प्रोत्साहन–1
5	राहुल खंडेलवाल	सहायक	प्रोत्साहन–2

1	जदुनाथ प्रधान	सहायक	प्रथम (हिंदीतर भाषा वर्ग में)

प्रतियोगिताओं के विजेताओं के अतिरिक्त सभी प्रतिभागियों को तथा पखवाड़े के दौरान राजभाषा के कार्य में सहयोग करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को भी स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। श्री पवन कुमार, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने सभी विजेताओं को बधाई दी तथा अगले वर्ष होने वाली प्रतियोगिताओं में इससे भी अधिक प्रतिभागिता करने का आह्वान किया। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा होने के साथ–साथ अधिकतर भारतवासियों की मातृभाषा भी है, इसलिए हमें इसका सम्मान करना चाहिए और सभी को अधिक से अधिक हिंदी में ही कार्य करने चाहिएं। हम सोचते हिंदी में हैं तो हमें लिखना भी हिंदी में ही चाहिए। हमें अपनी भाषा पर गर्व होना चाहिए। इसके पश्चात कार्यालय अध्यक्ष ने श्री सुंदर कटारिया को स्मृति चिन्ह भेंट किया। श्री अनिल कुमार बजाड़, सहायक निदेशक ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

कभी-कभी सोचती हूँ मैं

कभी–कभी सोचती हूँ मैं
क्यूँ हम कुछ बनना चाहते हैं
खुद को साबित करना चाहते हैं ?
क्यूँ हम अंदर से खोखले
बाहर से रंगीन हैं ?
क्यूँ तन की सजावट जरुरी है, मन की शांति काफी नहीं ?
क्यूँ चेहरे की मुस्कान काफी नहीं
ओहदे की चमक जरुरी है ?
क्यूँ हमारी मुस्कान हमारा धन नहीं ?
क्यूँ हमारी मुस्कान हमारी कामयाबी नहीं
क्यूँ कोई ओहदा बड़ा तो कोई छोटा है ?
क्यूँ राजगद्दी पाना जरुरी है ?
क्यूँ पैसों की गिनती जरुरी है ?
खुशियों की गिनती काफी नहीं
क्यूँ हमारा सिर्फ होना काफी नहीं ?
हमारा नाम काफी नहीं
क्यूँ कोई सवाल नहीं पूछता
क्यूँ कोई अपना "क्यूँ" नहीं पूछता ?

ऋतु गंभीर
सहायक निदेशक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकारियों के 31वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

कर्मचारी राज्य बीमा निगम मुख्यालय के तत्वावधन में क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद द्वारा दिनांक 25–26 मार्च 2022 को निगम के राजभाषा अधिकारियों के दो दिवसीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का आयोजन श्री मनोज कुमार शर्मा, माननीय बीमा आयुक्त (राजभाषा, राजस्व व हितलाभ), मुख्यालय की अध्यक्षता में किया गया। डॉ. श्री प्रमोद कुमार तिवारी, सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात ने मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन की गरिमा बढ़ाई।

'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का शुभारंभ दिनांक 25 मार्च 2022 को प्रातः 10.00 बजे श्री मनोज कुमार शर्मा, माननीय बीमा आयुक्त (राजभाषा, राजस्व व हितलाभ), मुख्यालय, डॉ. श्री प्रमोद कुमार तिवारी, सहायक प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, श्री रत्नेश कुमार गौतम, अपर आयुक्त–सह–क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। इसके पश्चात महिला कर्मचारियों द्वारा सरस्वती वंदना का गायन करके सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात सम्मेलन में पधारे सभी राजभाषा अधिकारियों/प्रभारी राजभाषा अधिकारियों, वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुवाद अधिकारियों का एक–एक करके परिचय लिया गया।

श्री मनोज कुमार शर्मा, बीमा आयुक्त (राजभाषा, राजस्व व हितलाभ), ने कोरोना के कारण लगभग दो वर्ष के अंतराल पर वार्षिक राजभाषा सम्मेलन की पुनः शुरुआत होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होने सम्मेलन के लक्ष्यों को स्पष्ट करते हुए कहा कि इस सम्मेलन में न सिर्फ निगम में राजभाषा कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की जाएगी अपितु राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए भावी कार्ययोजना भी बनाई जाएगी। यह प्रयास किया जाएगा कि राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली कठिनाइयों पर विस्तृत चर्चा करके उनका निराकरण किया जाए। उन्होंने यह भी बताया कि माननीय संसदीय समिति द्वारा निगम कार्यालयों का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। अतः सभी का यह दायित्व है वे अपने–अपने कार्यालयों में संभावित निरीक्षण के दृष्टिगत कार्यान्वयन की स्थिति को सुदृढ़ बनाए रखें तथा वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने के निरंतर प्रयास करते रहें।

श्री रत्नेश कुमार गौतम, अपर आयुक्त–सह–क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद ने अध्यक्ष महोदय, मुख्य अतिथि व सभी प्रतिभागी अधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने गुजरात के इतिहास पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए इस बात के लिए मुख्यालय का आभार व्यक्त किया कि राजभाषा हिन्दी के विकास में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाने वाले गुजरात राज्य को राजभाषा सम्मेलन की मेजबानी का अवसर प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय कार्यालय, अहमदाबाद राजभाषा हिन्दी में कार्य करने के लिए समर्पित है। वे स्वयं भी अधिकतम कार्य हिन्दी में ही करते हैं। इस कार्य के फलस्वरूप ही क्षेत्रीय कार्यालय मुख्यालय से निरंतर पुरस्कृत हो रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन अपने लक्ष्य की पूर्ति में पूर्णतः सफल होगा तथा निगम में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में उत्तरोत्तर वृद्धि में सहायक होगा।

मुख्य अतिथि डॉ. श्री प्रमोद कुमार तिवारी ने गुजरात राज्य की संस्कृति तथा हिन्दी के प्रचार, प्रसार, विस्तार तथा विकास में गुजरात के योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने हिन्दी भाषा, इसकी प्रकृति, शब्द संरचना, साहित्य और अनुवाद के गंभीर पहलुओं को छूते हुए सामान्य हिन्दी के प्रयोग और सहज अनुवाद पर बल दिया ताकि भाषा सर्वग्राह्य बन सके। उन्होंने कहा कि हमें न केवल हिंदी अपितु अपने–अपने सामर्थ्य अनुसार अन्य क्षेत्रीय भाषाओँ को भी सीखने का प्रयास करना चाहिए।

श्री श्याम कुमार, संयुक्त निदेशक(राजभाषा) ने कुशल मंच संचालन करते हुए दो दिवसीय सम्मेलन का संचालन किया। इस दौरान वर्ष 2019–20 व वर्ष 2020–21 के दौरान सर्वश्रेष्ठ राजभाषा कार्यान्वयन करने वाले कार्यालयों तथा सर्वश्रेष्ठ गृह पत्रिकाओं के संपादक कार्यालयों को शील्ड व प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम की गृह पत्रिका 'श्रम ज्योति' ने भी वर्ष 2019–20 के लिए 'क' क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम को बीमा आयुक्त द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया।

सम्मेलन के सफल आयोजन के पश्चात अहमदाबाद शहर के कुछ स्थानीय स्थलों को देखने का मौका मिला। साबरमती नदी के तट पर स्थित, अहमदाबाद गुजरात की पूर्व राजधानी और गुजरात राज्य का सबसे बड़ा शहर है। पुरानी विश्व आकर्षण और अत्याधुनिक तकनीक का संगम, अहमदाबाद शहर की संस्कृति यात्रियों को

अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करती है। अहमदाबाद में कई ऐसे स्थान हैं जहाँ पर्यटक न केवल शहर के बारे में बल्कि भारतीय इतिहास के बारे में और कुछ प्रमुख हस्तियों के बारे में जान सकते हैं जिन्होंने देश को आकार देने में मदद की।

सबसे पहले हम साबरमती आश्रम देखने पहुंचे। साबरमती आश्रम कभी हमारे राष्ट्रपिता मोहनदास करमचंद गांधी के साथ–साथ उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी का घर हुआ करता था। इसका ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि नमक सत्याग्रह मार्च की शुरूआत यहीं से हुई थी। अब आश्रम में गांधी स्मारक संग्राहलय है। साबरमती नदी पर स्थित, साबरमती आश्रम को 'गांधी आश्रम', 'महात्मा गांधी आश्रम' के रूप में भी जाना जाता है। महात्मा गांधी आश्रम में कई अन्य प्रतिष्ठान हैं। उनमें से सबसे प्रसिद्ध संग्रहालय 'गांधी स्मारक संगठन' है, जिसमें गांधीजी के कुछ व्यक्तिगत पत्र और प्रदर्शन के फोटोग्राफ हैं। यह संग्रहालय शुरू में हृदय कुंज में स्थित था, आश्रम में गांधीजी की अपनी झोपड़ी थी, लेकिन औपचारिक रूप से 1963 में संग्रहालय बनाए जाने पर यहां स्थानांतरित कर दिया गया था। गांधी आश्रम के भीतर अन्य इमारतें और स्थल हैं जिन्हें नंदिनी, विनोबा कुटीर, उपासना मंदिर कहा जाता है। ये इमारतें उन लोगों के नाम पर हैं जो गांधीजी के करीबी थे।

इसके पश्चात हम साबरमती रिवरफ्रंट देखने गए। साबरमती रिवरफ्रंट एक सुंदर पर्यटन स्थल है। रिवरफ्रंट का पूरा नाम साबरमती रिवरफ्रंट पार्क है। साबरमती रिवरफ्रंट अहमदाबाद के सबसे प्रमुख पर्यटन स्थलो में से एक हैं। साबरमती रिवरफ्रंट में वर्ष मे एक बार फ्लावर शो होता है जो देखने लायक होता है। यहां पर कई प्रकार के अन्य कार्यक्रम भी होते रहते हैं। साबरमती रिवरफ्रंट के अन्दर घूमने लायक कई खूबसूरत जगह हैं जो साबरमती रिवरफ्रंट मे घूमने आने वाले पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। रिवरफ्रंट मे घूमने लायक कई खूबसूरत स्थान है जो अलग अलग नाम से जाने जाते हैं। 1. थॉट गार्डन 2. सन डायल 3. लोटस पॉन्ड 4. चिल्ड्रन प्ले एरिया 5. एमपीथियेटर 6.कौनसेंट्रिक सर्कल 7. माउंट प्लाजा 8. स्टेपवेल 9. बाजार स्ट्रीट 10. फूड कोर्ट 11. फ्लावर पार्क 12. चिल्ड्रन पार्क। यह सभी जगह रिवरफ्रंट की सुन्दरता अहम हिस्सा हैं। रिवरफ्रंट साबरमती नदी के किनारे होने से यहाँ का शांत वातावरण पर्यटकों के मन मोहित कर देता है।

पवन कुमार
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी

राजभाषा

'मजे में हूँ'

घुटने बोलते हैं लड़खड़ाता हूँ,
छत पर रेलिंग पकडकर जाता हूँ,
दांत कुछ ढीले हो चले, रोटी डुबा कर खाता हूँ,
वो आते नहीं बस फोन पर पूछते हैं कि कैसा हूँ ?
बड़ी सादगी से कहता हूँ,
मजे में हूँ बस मजे में हूँ।
दिखता है सब, पर वैसा नहीं दिखता,
लिखता हूँ सब, पर वैसा नहीं लिखता,
आसमान और बादल के बीच, अब कुछ बादल सा दिखता,
पढ़ता हूँ अखबार, पर कुछ याद नहीं रहता।
डाक्टर के सिवाय, किसी और से कुछ याद नहीं रहता।
पूछते हैं लोग तबीयत, बड़ी सादगी से कहता हूँ,
मजे में हूँ बस मजे में हूँ।
कभी दो रंगी मोजे, जूतों में हो जाते हैं,
कभी बढ़े हुए नाखून यकायक, चश्में से किसी महफिल में दिखाई देते हैं।
फिर अचकचा कर उनको छुपाता हूँ,
कभी बीस व तीस का अन्तर सुनाई नहीं देता,
बहुत से काम अब अन्दाजे से कर लेता हूँ,
कहाँ हूँ, कैसा हूँ, हँस कर कह देता हूँ,
मजे में हूँ बस मजे में हूँ।
बीत गया है लंबा सफर, पर इंतजार बाकी है।
हाँसिल कर ली हैं मंजिलें, पर प्यास अभी बाकी है।
खुद तो दौड़ सकता नहीं,
अब अपनों से या पड़ोस के बच्चों से बाजी लगाता हूँ।
ठहर गयी हैं, यादें पुरानी, बातें अनकही सुनाता हूँ,
क्या मजा है जिन्दगी का, उसके जवाब का इंतजार अभी बाकी है।
ये दिल है कि मानता ही नहीं,
अब भी धड़कता वैसे ही है।
बूढ़ा तो हो चुका हूँ, पर मानता नहीं,
शरीर दुखता है पर आँखों की शरारत जारी है।
इसलिए तो बारकृबार कहता हूँ,
मजे में हूँ, बस मजे में हूँ ।।

ममता सहगल
निजी सचिव

गुडगांव से गुरुग्राम तक

किसी देश की सभ्यता और संस्कृति उसके भौतिक विकास और सांस्कृतिक विकास से जानी जाती है। किसी देश के सांस्कृतिक विकास का नाम संस्कृति है और भौतिक विकास का नाम सभ्यता है। भौतिकता के परिप्रेक्ष्य में औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण ने हमारी सभ्यता में क्रान्तिकारी परिवर्तन कर दिया है।

गुडगांव उत्तर भारत में दिल्ली के दक्षिण में आधुनिक उपनगर है। जो अपनी आधुनिकता के लिए जाना जाता है। यहाँ बडी–बडी इमारतों, तमाम राष्ट्रीय निगमों और आई.आई.टी कम्पनियों के दफ्तर हैं। प्रति व्यक्ति आय के मामले में जहां पहले स्थान पर मुबई, दूसरे स्थान पर चण्डीगढ तथा तीसरे स्थान पर गुडगांव यानि गुरुग्राम है। अत्याधिक आधुनिकीकरण और डिजीटिलीकरण के कारण इसे साइबर सिटी कहा जाता है, दूसरे शब्दों में इसे हरियाणा का बंगलौर या बगलूरु कहा जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

शहरीकरण और अन्धाधुंध विकास के कारण इसमें आधुनिक सुविधाएं विकसित नहीं हुई। इसलिए यहाँ सडकों पर लगभग पूरे दिन जाम लगा रहता है। कानूनी व्यवस्था की स्थिति डांवाडोल है। असमान विकास की वजह से यहां की जनता बड़े स्तर पर आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक समस्याओं से जूझ रही है। गुरुग्राम नगर निगम के परिसर में हड़ताल और प्रदर्शन होते रहते हैं। नगर निगम ने इन समस्याओं से निजात पाने के लिए, हरियाणा सरकार के सामने गुडगांव का नाम बदलने का विचार रखा। खट्टर सरकार ने नगर निगम की पुरानी मांग को पूरा करते हुए गुडगांव नाम बदलकर गुरुग्राम कर दिया।

गुडगांव का नाम बदलने का दूसरा कारण यह है कि हम एक परिवर्तन चाहते हैं, नयाचार चाहते हैं और यह परिवर्तन प्राचीन को नवीन में बदलकर नवाचार करते हैं। उदाहरण के तौर पर हमारी भोजन व्यवस्था में सुबह के नाश्ते से शुरु होकर दोपहर के लंच और रात के डिनर पर आधारित है। लंच और डिनर के बाद हम कुछ डेर्जट यानि स्वीट्स(मिठाई) सर्व करते करते हैं। स्वीट् सर्व करने की व्यवस्था हमें अब औपचारिक लगने लगी है, इसमें अब एक बनावटीपन नजर आने लगा है, इस औपचारिकता और बनावटीपन को दूर करने के लिए अनौपचारिक होकर कहने लगे है–अब कुछ मीठा हो जाय। इस तरह हम नवाचार से पुरातन को नवीनतम में परिवर्तित करते रहते हैं। इस नवाचार की प्रकिया में बाम्बे 1995 में मुबंई हो गया, कलकत्ता जनवरी 2006 में कोलकता हो गया, जनवरी 2007 में उत्तराँचल उत्तराखंड और नवम्बर 2014 में बगलौर बंगलूरु, अक्टूबर 2016 में गुडगांवा गुरुग्राम हो गया। गुडगांव से गुरुग्राम के बदलाव की कई पार्टियों ने आलोचना की। उन्होंने इसे संकीर्ण सोच कहा और इसे पूर्ण तरह अस्वीकार्य कर दिया। भारतीय जनता पार्टी प्राचीनतम भाषा संस्कृत और प्राचीन संस्कृति के प्रचार और प्रसार में विश्वास रखती है, इसलिए उसने गुडगांवा नाम बदलकर गुरुग्राम कर दिया। इस सन्दर्भ में भाजपा के प्रवक्ता ने अभिव्यक्ति इस प्रकार दी है, "गुरुग्राम का मतलब संस्कृति सीखना और ऐतिहासिक दृश्य याद करना है लेकिन कुछ धर्मनिरपेक्ष लोग भारत की विसारत को मिटा देना चाहते हैं" – नरसिंह भाजपा प्रवक्ता।

इस विवादास्पद स्थिति को स्पष्ट करने के लिए कहा जा सकता है नवाचार के रुप में हम अपनी पुरानी संस्कृति से जुडे हुए हैं, सन् 1995 में महाराष्ट्र में शिव सेना ने सरकार के सामने यह प्रस्ताव रखा कि बाम्बे का नाम बदलकर मुबई रखा जाए। उनका कहना था कि बाम्बे अपने आदि स्वरुप में मछुआरों की बस्ती थी और मुंबई नाम से जानी जाती थी। बाम्बे नाम अग्रेंजो ने रखा था। महाभारत और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार एक बार कौरव और पांडव बचपन में खेलते हुए हस्तिनापुर से यहां (गुडगांव) आ गए, यहां आपसी विवाद स्वरुप दुर्योधन ने युधिष्टर की गेंद कुंए में डाल दी, इसके बाद पांडव कुंए से गेंद निकालने के असफल प्रयास करने लगे, संयोग से वहां से गुरु द्रौणाचार्य गुजर रहे थे। पांडवों ने अपनी समस्या गुरु द्रौणाचार्य के सामने रखी, द्रौणाचार्य ने धनुष बाण चढ़ाया और गेंद को बींध दिया और गेंद को कुंए से बाहर निकाल दिया। अर्जुन ने यह बात पितामह भीष्म को बतायी, पितामह भीष्म ने आचार्य द्रौण को कौरवों और पांडवों को शिक्षा देने के लिए रख लिया। तत्पश्चात कुरुवंशियों ने विशेष रुप से धर्मराज युधिष्टर ने गुरु द्रौण को यह गाँव गुरुदक्षिणा में दिया। यह घटना गुरु गरिमा और गुरु दक्षिणा को दर्शाती है तथा उपनगर का नाम गुरुग्राम होने का आधार है। इसके अतिरिक्त गुडगांवा वाली माता जो एक धार्मिक स्थल है, जो बच्चों के प्रथम मुंडन कराने के लिए विशेष रुप से जाना जाता है कि गुडगांवा वाली माता कौरवों व पांडवों के कुलगुरु कृपाचार्य की बहन कृपी थी, जो गुरु द्रौणाचार्य की पत्नि और गुरु पुत्र अश्वत्थामा की माता थी। इसलिए कुलगुरु, गुरु, गुरुमाता और गुरुपुत्र का ग्राम, गुरुग्राम के नाम से जाना जाता है। सारांश रुप में यह कह सकते है कि गुरुग्राम, गुरु की गरिमा, गुरु की महिमा और गुरु दक्षिणा का प्रतीक है, जिसमें देश की प्रचलित भाषा संस्कृत और महाभारतकालीन सम्यता और संस्कृति देखने को मिलती है।

सुभाष चन्द्र गुप्ता
उप निदेशक (सेवानिवृत्त)

मेरे अल्फाज

चल यार एक नई शुरुआत करते हैं।
दौडते हैं, गिरते हैं, फिर से सभंलते हैं।
जिसने गिराया तिनका तिनका हमारा।
चल यार फिर से एक नया आशियाना बुनते हैं।
चल यार एक नई शुरुआत करते हैं।

कुछ छूटे वो अपने हमारे, कुछ टूटे वो सपने हमारे।
जाने कितने पीछे छूट गए वो खूबसूरत नजारे ।
माना वक्त निकला है हमसे आगे।
चल यार एक बार फिर उस वक्त से लडते हैं।
चल यार फिर ....

हौंसला कायम है अभी, जिंदगी के कुछ बाकि इम्तिहां हैं।
भूलकर सब कुछ ढूंढते नई राह हैं।
एक उम्मीद का नया कदम फिर से उन्हीं खवाइशों पर रखते हैं।
चल यार फिर....................................

राहुल खंडेलवाल
सहायक

ई.एस.आई.सी.- चिंता से मुक्ति

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 संगठित क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए हमारे देश में एक मुख्य वैधानिक प्रावधान है। किसी भी विकसित अथवा विकासशील देश की अर्थव्यवस्था की नींव उस देश के कामगरों के स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा पर पूर्णतया निर्भर है। इसी दिशा में काम करते हुए दिनांक 24 फरवरी 1952 को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने इस योजना को आरम्भ किया एवं वे प्रथम मानद बीमाकृत व्यक्ति बने। इस योजना के अंतर्गत संगठित क्षेत्र के कामगारों की आकस्मिक स्वास्थ्य एवं रोजगार चोट के कारण होने वित्तीय विपत्तियों को संतुलित करने के लिए विभिन्न हितलाभ प्रदान किये जाते हैं जिनमें से महत्वपूर्ण हितलाभों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से है–

1. चिकित्सा हितलाभ– बीमाकृत व्यक्ति एवं उसके आश्रितों को रोजगार में आने के दिन से ही चिकित्सा देख–रेख की पूर्ण सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। ये हितलाभ सेवा निवृत होने पर अथवा स्थायी अपंगता की स्थिति में मात्र 120/– के वार्षिक अंशदान पर भी प्रदान की जाती है।

2. बीमारी हितलाभ– बीमाकृत कामगार को बीमारी के दौरान एक वर्ष में अधिकतम 91 दिनों के लिए उसकी औसत दैनिक मजदूरी के 70 प्रतिशत की दर से नकद प्रतिपूर्ति के रूप में देय होता है जिसके लिए उसकी सम्बंधित अंशदान अवधि में न्यूनतम 78 दिनों का अंशदान देय होना आवश्यक है। 91 दिनों की बीमारी हितलाभ अवधि को सूचीबद्ध 34 घातक बिमारियों के लिए उसकी औसत दैनिक मजदूरी के 80 प्रतिशत की दर से चिकित्सा परामर्श लेने उपरांत कुल दो वर्षों तक विस्तारित किया जा सकता है।

3. मातृत्व हितलाभ– यह हितलाभ प्रसूति/गर्भावस्था की स्थिति में बीमाकृत महिला को पूर्ववर्ती वर्ष में 70 दिनों की अंशदान की शर्त के साथ उसकी औसत दैनिक मजदूरी के शत प्रतिशत के हिसाब से 26 सप्ताह तक देय होता है, गर्भपात की स्तिथि में यह अवधि 12 सप्ताह है।

4. अपंगता हितलाभ– बीमाकृत व्यक्ति रोजगार में आने के दिन से ही इस हितलाभ का दावा कर सकता है एवं अस्थायी अपंगता की स्थिति में यह उसकी औसत दैनिक मजदूरी के 90 प्रतिशत की दर से, अस्थायी अपंगता रहने तक देय है। वहां इसी श्रेणी में स्थायी अपंगता होने की स्थिति में चिकित्सा बोर्ड द्वारा प्रमाणित अर्जन अक्षमता की हानि की दर के अनुसार जीवन भर प्रदान किया जाता है।

5. आश्रितजन हितलाभ– रोजगार चोट के कारण बीमाकृत की मृत्यु होने की स्थिति में उसके आश्रितजनों को औसत दैनिक मजदूरी के 90 प्रतिशत की दर से मासिक भुगतान किया जाता है।

6. अंत्येष्टि व्यय– इस हितलाभ के अंतर्गत बीमाकृत व्यक्ति की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के व्यय के रूप में बीमित के सम्बन्धियों को राशि 15000/– का भुगतान किया जाता है।

उपरोक्त महत्वपूर्ण हितलाभों के अतिरिक्त समय एवं परिस्थितियों के अनुरूप निगम द्वारा बीमाकृत व्यक्तियों को सहायता पहुँचाने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम भी उठाए गए हैं।

- अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना जो कि दिनांक 01–07–2018 से दो वर्षों के लिए प्रायोगिक आधार पर आरम्भ की गई थी। इस योजना के अंतर्गत बीमाकृत को जीवनकाल में एक बार 90 दिनों तक बेरोजगारी के कठिन समय में मजदूरी की 25% राशि के रूप में राहत दी जाती है जिसे कोरोना काल में 25% से बढाकर 50% किया गया। सरकार द्वारा इसके लिए जरूरी शर्तों में कोरोना महामारी को देखते हुए शिथिलता प्रदान की।

- कोरोना महामारी जैसी विषम परिस्थितियों में भी कोविड–19 राहत योजना के अंतर्गत पूरे भारत में कोरोना के कारण 45 दिन के अंदर हुई बीमाकृत की मृत्यु उपरांत आश्रितों को आश्रितजन हितलाभ पेंशन के रूप में प्रदान किया गया। इसी श्रेणी में कोविड–19 महामारी के दौरान बीमाकृत महिला की कोविड के कारण होने वाली मृत्यु की स्थिति में उसके पति को जीवन पर्यंत आश्रित पेंशन हितलाभ देने का प्रावधान किया गया जोकि बीमाकृत महिला के आश्रितों को आर्थिक रूप से सहायता प्रदान करने का एक विशेष कदम है।

- इसके अतिरिक्त पूर्व में भी समय–समय पर राहतें प्रदान की गई हैं जिनमें एक जनवरी 2017 से मजदूरी सीमा को बढाकर 15000/– से 21000/– करने का निर्णय लिया गया। साथ ही बीमितों व नियोक्ताओं को अतिरिक्त राहत प्रदान करते हुए सरकार द्वारा दिनांक 01–07–2019 से अंशदान दरों को घटाकर 6.5% से 4% किया गया जिसमे कर्मचारी का भाग .75% व नियोक्ता का भाग 3.25% निर्धारित किया गया है।

- समय–समय पर महंगाई के अनुसार निगम द्वारा बीमित अथवा उसके आश्रीजनों को दी जाने वाली पेंशन की दरों में वृद्धि की जाती है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा महिला कामगारों को सामाजिक एवं आर्थिक विपत्तियों में सबलता प्रदान करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस विषय में अगर हम मुख्य बिन्दुओं पर नजर डालें तो बीमाकृत महिला के मातृत्व अवकाश हितलाभ को बारह सप्ताह से बढ़ाकर छब्बीस सप्ताह कर दिया गया जोकि दिनांक 20–01–2017 से प्रभावी हुआ।

निगम के द्वारा कर्मचारी राज्य बीमा योजना को दिसम्बर–2022 तक पूरे भारत में 744 जिलों में लागू करने की योजना बनाई है। इसके सुचारू कार्यान्वयन हेतु स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं का विस्तार नए अस्पताल एवं औषधालय खोल कर किया जा रहा है।

यदि हम कर्मचारी राज्य बीमा निगम के द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को मूलरूप से समझें तो पता चलता है कि बीमाकृत के रोजगार में आने से लेकर उसके जीवन की अंतिम यात्रा तक निगम बीमितों को बिना किसी भेदभाव के सीमा रहित आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है। कर्मचारी राज्य बीमा योजना संगठित क्षेत्र में कामगारों को दी जाने वाली स्ववित्तपोषित विश्व की एक अतुलनीय योजना है और निगम अपने ध्येय वाक्य **"ई.एस.आई.सी. चिंता से मुक्ति"** को चरितार्थ करने के लिए दृढ़ता से अग्रसर है।

श्री रविन्द्र कुमार
प्रवर श्रेणी लिपिक

पिता

पिता की सख्ती बर्दाशत करो, ताकि काबिल बन सको। पिता की बातें गौर से सुनो, ताकि दूसरों की न सुननी पड़े, पिता के सामने ऊँचा मत बोलो वरना भगवान तुमको नीचा कर देगा, पिता का सम्मान करो, ताकि तुम्हरी संतान तुम्हारा सम्मान करे। पिता की इज्जत करो, ताकि इससे फायदा उठा सको। पिता का आदेश मानो, ताकि खुशहाल रह सको। पिता के सामने नजरें झुका कर रखो ताकि भगवान तुमको दुनिया में आगे करे, पिता एक किताब है जिस पर अनुभव लिखा जाता है।

पिता के आँसू तुम्हारे सामने न गिरें वरना भगवान तुम्हें दुनिया से गिरा देगा, पिता एक ऐसी हस्ती है, माँ का मुकाम तो बेशक अपनी जगह है, पर पिता पिता का भी कुछ कम नहीं। माँ के कदमों में स्वर्ग है, पर पिता स्वर्ग का दरवाजा है, दरवाजा न खुला हो तो अन्दर कैसे जाओगे। गर्मी हो या सर्दी, अपने बच्चों की रोजी–रोटी की फिक्र में परेशान रहता है, न कोई पिता के जैसा प्यार दे सकता है ना कर सकता है। बच्चों, ये याद रखें सूरज गर्म जरुर होता है मगर डूब जाये तो अँधेरा छा जाता है। पिता सूरज है तो माँ चन्द्रमा है।

आओ आज सब मिलकर उस अजीम हस्ती के लिए कामना करते हैं। हे भगवान मेरे पिता को सेहत तंदुरुस्ती देना, उनकी तमाम परेशानियों को दूर कर, उन्हें हमेशा खुश रखें । पहले श्रद्धा रखो श्राद्ध तो बाद की बात है, जीते जी माता–पिता की सेवा ही सच्ची भक्ति है।

श्रीमती सुनीता सचदेवा
पूर्व–कार्यालय अधीक्षक

चित्रकारी

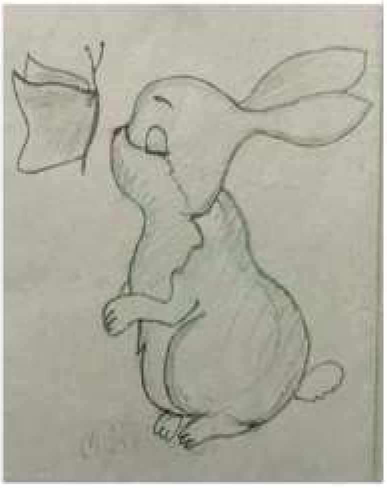

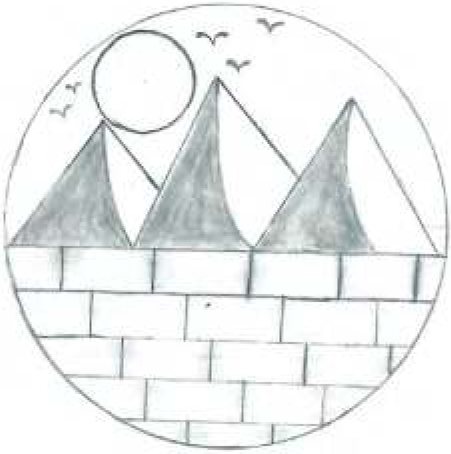

मोही पुत्री श्री पवन कुमार,व.अनु.अधि.

चित्रकारी

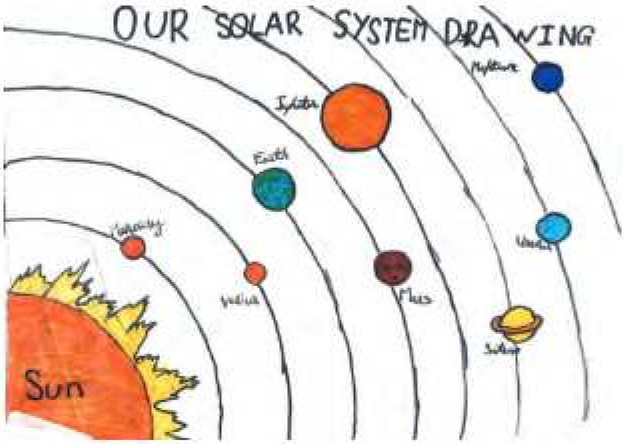

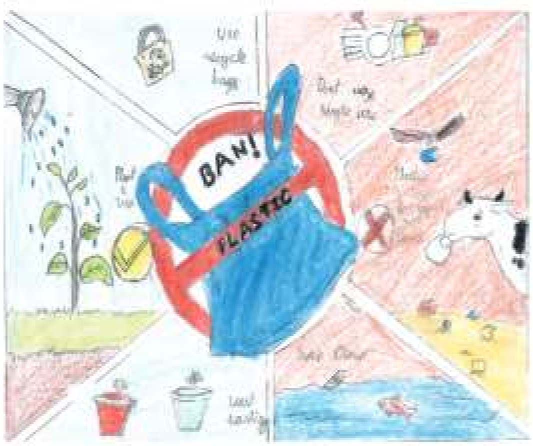

आशुतोष प्रधान पुत्र श्री जदुनाथ प्रधान

बेटियाँ

बडी छटपटा रह जाती
रो रोकर वह चिल्लाती

मम्मी इसने मारा है
देखो फिर दोबारा है

छोटी मार भाग लेती
बडी खडी चुप सह लेती

इसी तरह खेले झगडे
प्यार क्रोध में रोज लडे

शाम हुए जब दफ्तर से
पापा आते थके–थके

दोनों दौड़ लिपट जाती
पापा आए चिल्लाती

झगडा भूलभाल दोनों
पापा के कृपाल दोनों

चूमा करे गाल दोनों
करती थी निहाल दोनों

पापा गले लगा लेते
गोदी बीच उठा लेते

अलग–अलग बिठा लेते
सीने से चिपका लेते

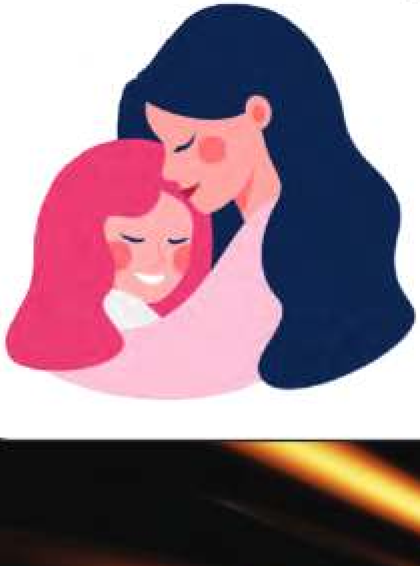

गीता तनेजा
कार्यालय अधीक्षक

आई.एम.टी. मानेसर में क.रा.बी.निगम अस्पताल का शिलान्यास कार्यक्रम

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में आयोजित हिंदी दिवस समारोह

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम की गृह पत्रिका 'श्रम ज्योति' का विमोचन

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में आयोजित विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में आयोजित हिंदी कार्यशाला

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

श्रीमती दीपा मलिक, अधीक्षक व श्रीमती सुनीता सचदेवा, अधीक्षक की सेवानिवृत्ति

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान ली गई तस्वीरें

शाखा कार्यालय, डुंडाहेड़ा

शाखा कार्यालय, मानेसर

शाखा कार्यालय, सिविल लाइन, गुरुग्राम

शाखा कार्यालय, धारूहेड़ा

उप क्षेत्रीय कार्यालय, गुरुग्राम

मानेसर में ईएसआइसी के 500 बेड के अस्पताल का शिलान्यास

सीएम मनोहर लाल ने रखी आधारशिला, कहा–श्रम शक्ति का स्वस्थ होना जरूरी

जागरण संवाददाता, मानेसर (गुरुग्राम): मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मानेसर में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआइसी) की ओर से बनाए जाने वाले 500 बेड के अस्पताल की रविवार को आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि श्रम शक्ति समाज का बहुत बड़ा वर्ग है और विश्व के निर्माण में इस वर्ग की बड़ी भागीदारी है। इसलिए इस वर्ग की खुशहाली के लिए सरकारी स्तर पर बड़े प्रयास हो रहे हैं। श्रम शक्ति का स्वस्थ होना उद्योगों के विकास के लिए भी जरूरी है। इससे उत्पादन बढ़ेगा और देश की उन्नति होगी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में श्रम शक्ति पोर्टल पर 50 लाख से ज्यादा श्रमिक पंजीकृत हैं और श्रम विभाग में 25 लाख लोगों का पंजीकरण है। राज्य सरकार का प्रयास है कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को मिले। उन्होंने मानेसर में ईएसआइसी का नर्सिंग कालेज खोलने के प्रस्ताव को स्वीकृत करने पर केंद्रीय श्रम, रोजगार एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार जताया और आश्वस्त किया कि इस कालेज के लिए राज्य सरकार जल्द ही पांच एकड़ भूमि उपलब्ध करवाएगी।

भूपेंद्र यादव बोले, इको फ्रेंडली होगा यह अस्पताल: शिलान्यास कार्यक्रम की अध्यक्षता करने वाले केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि तमाम सुविधाओं से लैस होने वाले मानेसर का अस्पताल इको फ्रेंडली होगा। इस अस्पताल का नक्शा तैयार करवाने के लिए 20 फरवरी से 20 मार्च तक देशभर के आर्किटेक्चर कालेजों के नौजवानों की प्रतिस्पर्धा कराई जाएगी। सबसे अच्छा नक्शा बनाने वाले नौजवान को दो लाख रुपये, दूसरे स्थान पर रहने वाले को डेढ़ लाख और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले युवा विद्यार्थी को एक लाख की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पानीपत में भी ईएसआइ का बड़ा अस्पताल बनाए जाने की मांग की। कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम-रोजगार राज्यमंत्री रामेश्वर तेली, प्रदेश के श्रम राज्यमंत्री अनूप धानक, विधायक सत्यप्रकाश जरावता भी मौजूद रहे।

नहीं पहुंचे राव इंद्रजीत: कार्यक्रम में स्थानीय सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी आमंत्रित थे, मगर वह नहीं पहुंचे। लोग अपनी तरह से इसके मायने लगा रहे थे। कुछ लोगों ने कहा, वह दूसरे कार्यक्रम में व्यस्त थे। वहीं, कुछ लोग यह कह रहे थे कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता करने से वह नहीं आए।

जल संचय की दिशा में बांध परियोजना कारगर कदम » पेज 6

50 लाख से ज्यादा श्रमिक पंजीकृत हैं हरियाणा में श्रम शक्ति पोर्टल पर

25 लाख लोगों का पंजीकरण है श्रम विभाग में

मानेसर में ईएसआइसी की ओर बनाए जाने वाले 500 बेड के अस्पताल की आधारशिला रखने के बाद मंच पर बैठे केंद्रीय श्रम–रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव (बाएं से पहले), मुख्यमंत्री मनोहर लाल (मध्य में), उनके बगल में उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ● जागरण

छह लाख कर्मी व उनके परिवार होंगे लाभान्वित

मानेसर से बावल औद्योगिक क्षेत्र तक की औद्योगिक इकाइयों में करीब छह लाख कर्मचारी कार्यरत हैं। मानेसर में ईएसआइसी अस्पताल बनने से इन छह लाख कर्मियों और उनके परिवार को स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी।

रेवाड़ी, झज्जर, महेंद्रगढ़, नूंह के लोगों को भी मिलेगा लाभ

अस्पताल में आपातकालीन, ओपीडी, आइसीयू, स्त्री एवं प्रसुति रोग, बाल रोग, ह्रदय रोग व कैंसर उपचार, ब्लड बैंक आदि की सुविधाएं मिलेंगी। इससे गुरुग्राम जिले के अलावा रेवाड़ी, झज्जर, महेंद्रगढ़, नूंह जिले के लोगों को भी लाभ होगा।

सोनीपत सहित पांच और जगहों पर बनेंगे ईएसआइसी अस्पताल: भूपेंद्र यादव

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुरुग्राम के अलावा पांच अन्य जगहों पर भी ईएसआइसी अस्पताल बनेंगे। हिसार में 100 बेड का अस्पताल बनेगा। वहीं, रोहतक, सोनीपत, करनाल और बहादुरगढ़ में ऐसे अस्पताल खोलने के लिए केंद्रीय मंत्रालय की तकनीकी टीम निरीक्षण कर चुकी है। बावल में 100 बेड का ईएसआइसी अस्पताल खोलने के लिए टेंडर हो चुका है।

बीमित व्यक्तियों की संख्या के आधार पर भी खुलेंगे ऐसे अस्पताल

भूपेंद्र यादव ने कहा कि भविष्य में किलोमीटर और बीमित व्यक्तियों की संख्या के आधार पर ईएसआइसी के अस्पताल खोले जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा संचालित ऐसे अस्पतालों की वार्षिक मरम्मत और रखरखाव के लिए स्थानीय पीएसयू को भी अधिकृत किया जाएगा।

कोविड से मृत्यु होने पर बीमितों व आश्रितों को पैंशन देगा ईएसआईसी

गुरुग्राम/देव केसरी, लोकेश कुमार। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा कोविड राहत योजना के माध्यम से महामारी के कारण बीमितों व आश्रितों को पैंशन देने की घोषणा की गई है। ईएसआईसी के उपनिदेशक सुनील कुमार नेगी ने बताया कि कोविड महामारी के चलते व श्रमिकों के तनाव को दूर करने के लिए तथा उनके आश्रितों को सहारा देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत बीमित व्यक्ति बीमा निगम के अधीन कोविड का निदान होने से कम से कम 3 माह पूर्व ऑनलाईन पंजीकृत होना चाहिए। मृतक बीमित व्यक्ति कोविड के निदान होने की तिथि को रोजगार में होना चाहिए तथा मृतक बीमाकृत व्यक्ति का कम से कम 70 दिनों की अवधि के अंशदान का भुगतान कोविड के निदान से अधिकतम एक वर्ष पूर्व तक की अवधि में भुगतान किया गया होना चाहिए।

उन्होंने बतायचा कि जो व्यक्ति उक्त शर्तों को पुरा करता है और कोविड के कारण जिसकी मृत्यु हो गई हो, उसके आश्रितों को औसत दैनिक मजदूरी के 90 प्रतिशत की दर से मासिक पैंशन का भुगतान जीवनपर्यंत योजना की शर्तों के अनुसार कियाजाएगा। यह योजना 24 मार्च से 2 वर्ष के लिए लागू रहेगी।

सुविधा • श्रमिकों के साथ-साथ आम लोगों का भी ईएसआईसी अस्पताल में किया जाएगा इलाज

सीएम व केंद्रीय मंत्री ने मानेसर में रखी 500 बेड ईएसआईसी अस्पताल की आधारशिला

गुड़गांव के अलावा 5 अन्य स्थानों पर भी बनाए जाएंगे ईएसआईसी अस्पताल

[illegible]

बहादुरगढ़ में अस्पताल खोलने के लिए टीम ने किया निरीक्षण

[illegible]

[illegible]

शिलान्यास पट पर नाम दर्ज होने के बावजूद समारोह से दूरी बनाए रहे मंत्री

[illegible]

हिसार में ईएसआई अस्पताल खोलने की अनुमति

[illegible]

पानीपत में 200 बेड के ईएसआई अस्पताल की मांग

[illegible]

कर्मचारियों को ईएसआई से मिलने वाले लाभ बताए

गुरुग्राम | कार्यालय संवाददाता

कर्मचारी राज्य बीमा निगम औद्योगिक श्रमिकों के जीवन में और जीवन के बाद भी कार्य करती है, उक्त विचार गुरुग्राम ईएसआईसी के उपनिदेशक इंचार्ज सुनील नेगी ने व्यक्त किए। नेगी जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि जिस भी संस्थान में 10 या 10 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं, उस संस्थान में कर्मचारी राज्य बीमा निगम लागू हो जाता है। इसमें कुछ अंश कर्मचारी के वेतन से और कुछ अंश नियोक्ता से लेकर ईएसआई में जमा करवाया जाता है। जिसके बदले में ईएसआई उस कर्मचारी को व उसके परिवार को फ़र्स्ट एड से लेकर बड़ी से बड़ी बीमारी का इलाज देता है।

इंडस्ट्रियल एरिया सेक्टर-37 में एफआईआई के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सुनील नेगी ने कहा कि प्रत्येक पात्र श्रमिक को भारत सरकार की तरफ से सामाजिक व स्वास्थ्य सुरक्षा देने के उद्देश्य से ईएसआई विभाग की स्थापना की है।

'श्रमिक के बीमार होने पर ईएसआई देता 70% वेतन'

बुकलेट का विमोचन भी किया गया

■ **प्रमुख संवाददाता, गुड़गांव:** जिस भी संस्थान में 10 या इससे अधिक कर्मचारी काम करते हैं, उस संस्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम लागू हो जाता है। इसमें कुछ अंश कर्मचारी के वेतन से ओर कुछ अंश नियोक्ता से लेकर ईएसआई में जमा कराया जाता है, जिसके बदले में ईएसआई उस कर्मचारी का इलाज करता है। रविवार को यह जानकारी सेक्टर-37 इंडस्ट्रियल एरिया में फैडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री व ईएसआई की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में गुड़गांव ईएसआईसी के उपनिदेशक इंचार्ज सुनील नेगी ने दी।

ईएसआई के सहायक निदेशक अनिल कुमार ने सभी स्कीम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ईएसआई जहां एक श्रमिक को बीमारी का परिवार सहित हित लाभ देती है, वहीं कार्य के दौरान दुर्घटना का भी लाभ प्रदान करती है। यदि कार्य के दौरान दुर्घटना में श्रमिक की मृत्यु हो जाती है तो उसकी अंतिम संस्कार के लिए भी ईएसआई 15000 रुपये उसी समय उसके परिवार को प्रदान करती है। बीमारी के समय घर पर रहने की सूरत में श्रमिक के वेतन का 70 फीसदी पैसा श्रमिक को ईएसआई की ओर से दिया जाता है। पात्र महिला श्रमिक को बच्चा होने की सूरत में 182 दिन के वेतन का हित लाभ भी ईएसआई की ओर से दिया जाता है। कार्यक्रम के दौरान ईएसआई की योजनाओं से संबंधित एक बुकलेट का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर एफआईआई के गुड़गांव चैप्टर के अध्यक्ष पीके गुप्ता, उपाध्यक्ष रविन जैन, महासचिव डॉ एस पी अग्रवाल, सह सचिव सौरभ जुनेजा, कोषाध्यक्ष डीपी गौड़ आदि मौजूद रहे।

कोरोना से मौत होने पर आश्रितों को मिलेगी पेंशन

■ ईएसआईसी का हित लाभ ले सकेंगे पीड़ित

■ योजना पीड़ित परिवारों के लिए 2 वर्ष के लिए होगी मान्य

गुड़गांव, 8 जून (ब्यूरो): श्रम व रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के अधीन कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने ईएसआईसी कोविड-19 राहत योजना के तहत श्रमिकों के लिए अतिरिक्त व विशेष लाभ की घोषणा की है।

कोविड-19 महामारी के कारण मृत्यु की घटनाओं में वृद्धि के कारण अपने परिवार के सदस्यों की भलाई के बारे में श्रमिकों के भय व चिंता को दूर करने के लिए ईएसआईसी योजना के तहत बीमाकृत व्यक्तियों व आश्रित सदस्य को पेंशन देगा।

अधिकारियों के मुताबिक ईएसआईसी के ऑनलाइन पोर्टल में कोविड रोग के निदान से पहले से पंजीकृत हैं। जिनकी बाद में कोविड से मौत हो गई है उन्हें मासिक पेंशन के समान हितलाभ व उसी वेतनमान के तहत प्राप्त करने का हकदार होगा। यह नियम सिर्फ उन्हीं बीमाकृत व्यक्तियों के आश्रितों द्वारा प्राप्त किया जाएगा। जिनकी मृत्यु रोजगार की चोट के परिणाम स्वरूप होती है।

बीमाकृत व्यक्ति जो पात्रता शर्तों को पूरा करते हैं व जिनकी कोविड रोग के कारण मृत्यु हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक उनके आश्रितों को औसत दैनिक मजदूरी के 90 प्रतिशत की दर से मासिक भुगतान जीवन पर्यंत प्राप्त करने के हकदार होंगे। बताया गया है कि यह योजना 24 मार्च 2020 से दो वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

ये हितलाभ की शर्तें:-मृतक बीमाकृत व्यक्ति को ईएसआईसी ऑनलाइन पोर्टल पर कोविड-19 का निदान होने। जिसके कारण मृत्यु हुई हो उसको कम से कम 3 महीने पहले पंजीकृत होना चाहिए। दूसरा मृतक बीमाकृत व्यक्ति द्वारा कोविड-19 रोग से निदान होने की तारीख को रोजगार में होना चाहिए। जिसका कम से कम 70 दिनों की अवधि के लिए अंशदान का भुगतान किया गया हो। मृतक बीमाकृत व्यक्ति के संबंध में कोविड-19 के निदान (जिसके कारण मृत्यु हुई) से अधिकतम एक वर्ष पूर्व तक की अवधि में भुगतान किया हो।

"ईएसआईसी कोविड-19 राहत के रूप में एक बड़ी शुरुआत की है। कोविड के कारण मरने वाले बीमित व्यक्तियों के आश्रितों को अभिभावक महसूस कराएगी। क्योंकि कोविड से जिन श्रमिकों की मौत हुई है उनके आश्रितों को ईएसआईसी आजीवन उन्हें पेंशन देगी।"

सुनिल नेगी, क्षेत्रिय निदेशक व प्रभारी गुड़गांव

कर्मचारी राज्य बीम ने कोविड राहत योजना के तहत गुड़गांव के परिवार को दी राहत

गुड़गांव| ईएसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) के डिप्टी डायरेक्टर सुनीत कुमार नेगी ने बताया कि गुड़गांव के दीन दयाल ईएसआई से सुरक्षित थे और वे टेंगरिन डिजाइन कंपनी आईएमटी मानेसर में कार्यरत थे। गत 17 जून को कोरोना से दीन दयाल की मौत हो गई। लेकिन ईएसआई की ओर से उनके परिवार को कोविड राहत योजना से लाभान्वित किया जाएगा। इसके तहत दीन दयाल की पत्नी शीला देवी को आजीवन पेंशन दी जाएगी। जबकि उनके दोनों बेटों को 25 वर्ष के होने तक पेंशन दी जाएगी।

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

कम अंशदान में मिलेगा वही लाभ
ESI योजना से जुड़ें आज

नियोक्ताओं के लिए अंशदान दर
4.75 से घटाकर 3.25 प्रतिशत
और कर्मचारियों के लिए
1.75 से घटाकर 0.75 प्रतिशत किया गया

बीमाकृत व्यक्तियों का सशक्तिकरण
'ईएसआईसी-चिन्ता से मुक्ति' मोबाइल ऐप

'ईएसआईसी-चिन्ता से मुक्ति' मोबाइल ऐप, भारत सरकार के उमंग ऐप प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। उमंग ऐप डाउनलोड करने के लिए http://goo.gl/BZUv9u पर क्लिक करें।

बीमाकृत व्यक्ति ईएसआई अंशदान के विवरण, व्यक्तिगत प्रोफाइल, दावे की स्थिति, ईएसआईसी हितलाभ संबंधी पात्रता की जांच कर सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर नॉलेज बैंक तथा ईएसआई योजना के हितलाभों पर श्रव्य-दृष्य सामग्री उपलब्ध।

ईएसआईसी संबंधी शिकायतें दर्ज कराने की सुविधा।

एक ही स्थान पर सेवाओं का वितरण
औषधालय सह शाखा कार्यालय (डीसीबीओ)

एक ही छत के नीचे औषधालय तथा शाखा कार्यालय दोनों की उपलब्धता।

बीमाकृत व्यक्ति को एक ही स्थान पर चिकित्सा सेवाओं और नकद हितलाभों का भुगतान।

द्वितीयक देखभाल हेतु परामर्श, बीमाकृत व्यक्ति के बिलों का भुगतान, पैनलबद्ध दवा विक्रेता/निदान केन्द्र के बिलों का भुगतान तथा बीमाकृत व्यक्तियों/ नियोक्ताओं को हेल्प डेस्क सेवाएं उपलब्ध कराना।

कामगारों को राहत
अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना

ईएसआई अधिनियम, 1948 के अंतर्गत व्याप्त कामगारों के लिए लाभप्रद योजना।

बीमाकृत व्यक्ति के बेरोजगार होने की स्थिति में और नये रोजगार की तलाश के दौरान नकद राहत राशि का सीधे बैंक खाते में भुगतान।

इसके लिए बेरोजगारी के पूर्व 2 वर्षों में प्रत्येक अंशदान अवधि में कम-से-कम 78 दिनों का अंशदान किया गया हो।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Labour & Employment
Government of India
Website: www.labour.gov.in

सत्यमेव जयते

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
Employees' State Insurance Corporation
उप क्षेत्रीय कार्यालय, प्लॉट सं. 47, सैक्टर 34, गुरुग्राम
SUB REGIONAL OFFICE, PLOT NO. 47, SEC-34, GURUGRAM
Ph. : 0124-4051924, E: dir-gurgaon@esic.nic.in, Web: www.esic.nic.in